फोर्स अर्बानिया
लंबे सफर की नई साथी

बड़े परिवार या ग्रुप में ट्रिप प्लान करना आसान नहीं होता। 5 से 17 लोगों का परिवार हो, तो हर बार 3-4 गाड़ियां निकालनी पड़ती हैं, जिससे न तो सब एक साथ सफर का मजा ले पाते हैं और न ही खर्चे कम होते हैं, लेकिन अब यह मुश्किल खत्म हो सकती है, क्योंकि Force Motors लेकर आई है Urbania। यह एक ऐसी 17 सीटर वैन, जो पूरे परिवार को एक ही सफर में जोड़ देती है। Force Urbania सिर्फ एक गाड़ी नहीं, बल्कि बड़े परिवारों और ट्रैवल ग्रुप्स के लिए मूविंग होम है। ऐसे में अगर आप फैमिली ट्रिप्स या बिजनेस टूर के लिए एक भरोसेमंद गाड़ी चाहते हैं, तो Force Urbania अच्छा ऑप्शन हो सकता है। *-फीचर डेस्क*

जॉइंट फैमिली और बिजनेस यूजर्स के लिए परफेक्ट

Urbania को खासतौर पर उन यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्हें एक बड़ी, स्टाइलिश, भरोसेमंद और मल्टी-पर्पज वैन चाहिए। चाहे आप परिवार के साथ हिल स्टेशन जा रहे हों या बिजनेस ट्रिप पर, यह वैन हर मौके के लिए फिट बैठती है। इसकी विशाल केबिन, प्रीमियम इंटीरियर और लग्जरी बस जैसा कंफर्ट इसे फैमिली और कॉर्पोरेट दोनों ही यूज़र्स के बीच लोकप्रिय बना रहा है।

स्पेशियस इंटीरियर, लग्जरी का अहसास

Urbania का केबिन स्पेस किसी मिनी लग्जरी बस से कम नहीं। हर सीट पर AC वेंट, फुल LED लाइटिंग, USB चार्जिंग पोर्ट और टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर्स मौजूद हैं। इसके प्रीमियम डैशबोर्ड, मॉडर्न इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ब्लूटूथ ऑडियो सिस्टम लंबी यात्राओं को और मजेदार बनाते हैं। साथ ही पावर विंडो और सेंट्रल लॉकिंग जैसी सुविधाएं ड्राइवर को भी सुविधा देती हैं।

पावरफुल इंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस

Force Urbania में 2596cc, 4-सिलेंडर डीजल इंजन है, जो 115hp की पावर और 350Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन हाईवे, ढलान या भारी लोड, हर जगह संतुलित परफॉर्मेंस देता है। 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स स्मूद शिफ्टिंग ऑफर करता है और Urbania शहर में लगभग 10-12 km/l, जबकि हाईवे पर 14-16 km/l तक का माइलेज देती है।

सेफ्टी फीचर्स

- Urbania में सेफ्टी को लेकर Force Motors ने कोई कसर नहीं छोड़ी है।
- इसमें दिए गए हैं-ड्राइवर और को-ड्राइवर एयरबैग
- ABS (Anti-lock Braking System)
- EBD (Electronic Brakeforce Distribution)
- ESC (Electronic Stability Control)

रियर कैमरा और पार्किंग सेंसर

- लंबी यात्राओं के दौरान ये फीचर्स यात्रियों और ड्राइवर दोनों को अतिरिक्त भरोसा देते हैं।

वेरिएंट्स और कीमत

- Urbania तीन व्हीलबेस वेरिएंट्स- शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग में उपलब्ध है। आप इसे 13, 15 या 17-सीटर विकल्प में चुन सकते हैं। 17 सीटर वेरिएंट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग 30 लाख रुपये है, जबकि टॉप मॉडल के साथ कीमत थोड़ी बढ़ जाती है।

Google Maps का नया फीचर
गलत लेन में फंसने का झंझट खत्म

गूगल मैप्स ने नेविगेशन को अगले टेक लेवल पर पहुंचाने की तैयारी कर ली है। कंपनी ने एक ऐसा हाई-टेक फीचर पेश किया है, जो आपकी कार के कैमरे से लाइव फीड लेकर रियल टाइम में बताएगा कि कब और किस लेन में शिफ्ट करना है। इसे नाम दिया गया है -Live Lane Guidance। यह फीचर खासतौर पर उन वाहनों के लिए डिजाइन किया गया है, जिनमें Google Built-in सिस्टम मौजूद है। यानी यह स्मार्टफोन वाले ऐप पर नहीं चलेगा, बल्कि कार के इंटीग्रेटेड हार्डवेयर से जुड़ा रहेगा।

एआई+कैमरा मिलकर देंगे सबसे सटीक नैविगेशन

Google के मुताबिक यह नया फीचर कार में लगे फ्रंट-फेसिंग कैमरे से सड़क की लेन मार्किंग्स और रोड साइन पढ़ेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) उस लाइव वीडियो फीड को प्रोसेस करके Google Maps के नेविगेशन से लिंक करेगा। जैसे ही कार किसी जंक्शन या हाइवे टर्न के करीब पहुंचेगी, सिस्टम रियल टाइम में बताएगा कि किस समय किस लेन में जाना है। यह अलर्ट विजुअल और ऑडियो दोनों फॉर्मेट में मिलेगा, जिससे ड्राइवर को लेन बदलने में आखिरी मिनट की अफरा-तफरी नहीं होगी। इस टेक्नोलॉजी का फायदा खासतौर पर हाइवे और मल्टी-लेन रूट्स पर दिखेगा, जहां अब तक ड्राइवर को अचानक लेन कट या गलत टर्न की समस्या का सामना करना पड़ता था।

Polestar 4 से होगी शुरुआत

Google ने घोषणा की है कि Live Lane Guidance का पहला रोलआउट Polestar 4 इलेक्ट्रिक एसयूवी में किया जाएगा। शुरुआत United States और Sweden में होगी, जिसके बाद इसे अन्य देशों और ऑटो ब्रांड्स के वाहनों में भी धीरे-धीरे एक्सपैंड किया जाएगा।

गूगल के आंकड़ों के अनुसार हर महीने करीब 2 बिलियन यूजर्स Google Maps के नेविगेशन का इस्तेमाल करते हैं। अब कंपनी पारंपरिक ऐप अनुभव से आगे बढ़कर वाहन हार्डवेयर इंटीग्रेशन वाले ऑटो-टेक सेगमेंट में नई दिशा स्थापित कर रही है।

भारत में कब होगा लॉन्च

भारत में इस फीचर की लॉन्च टाइमलाइन फिलहाल घोषित नहीं की गई है, लेकिन ऑटो एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे-जैसे देश में प्रीमियम ईवी और कनेक्टेड कार्स की संख्या बढ़ेगी, वैसे-वैसे इस तरह की तकनीकें भारतीय सड़कों पर भी जल्द दिख सकती हैं। Google Built-in वाले वाहनों जैसे Volvo, Polestar और Honda के कुछ नए मॉडल पहले से ही भारत में मौजूद हैं, इसलिए संभावना है कि आने वाले कुछ वर्षों में Live Lane Guidance भारतीय यूजर्स तक भी पहुंच जाए।

बाइक को भी चाहिए विंटर केयर
ठंड में स्टार्टिंग प्रॉब्लम सॉल्यूशन

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही बाइक का भी हाल कुछ वैसा ही हो जाता है, जैसा हमारा- ठंड लगते ही सबकुछ सुस्त पड़ जाता है। जैसे इस मौसम में आपको स्किन केयर की जरूरत होती है, वैसे ही बाइक को भी स्पेशल विंटर केयर चाहिए। अगर आपकी बाइक स्टार्ट होने में ज्यादा टाइम ले रही है या सेल्फ काम नहीं कर रहा, तो घबराइए नहीं। यहां जानिए कुछ आसान उपाय, जिनसे बाइक झटपट स्टार्ट होगी और ठंड में भी आपका सफर बेफिक्र रहेगा।

स्पार्क प्लग करें चेक

बाइक इंजन के ऊपरी हिस्से में व्हाइट कलर का स्पार्क प्लग होता है, जो इंजन को इग्निशन देता है। ठंड में या लंबे समय तक न चलाने पर यह वायर ढीला हो सकता है या उस पर डस्ट जम सकती है। ऐसे में स्पार्क प्लग निकालें, कपड़े से साफ करें और अच्छी तरह टाइट करें। इसके बाद बाइक स्टार्ट करने की कोशिश करें। फर्क तुरंत नजर आएगा।

इंजन कट-ऑफ स्विच भूल गए

कई बार बाइक को बंद करते वक्त लोग इंजन कट-ऑफ स्विच (रेड कलर वाला बटन) यूज करते हैं और बाद में उसे ऑन करना भूल जाते हैं। ऐसे में चाहे आप कितनी भी किक मार लें, बाइक स्टार्ट नहीं होगी। ऐसे में जब बाइक स्टार्ट न हो, तो सबसे पहले इंजन स्विच की पोजिशन चेक करें। छोटी सी गलती बड़ी परेशानी से बचा सकती है।

बैटरी की जांच करें

ठंड में बैटरी जल्दी डिस्चार्ज हो जाती है। अगर आपकी बाइक का सेल्फ काम नहीं कर रहा, तो संभावना है कि बैटरी कमजोर या खत्म हो चुकी है। इस स्थिति में बाइक को मेन स्टैंड पर लगाएं, चौथे गियर में डालें और पीछे का पहिया तेजी से घुमाएं। इस "जंप-स्टार्ट" तरीके से कई बार बाइक तुरंत स्टार्ट हो जाती है।

फ्यूल और क्लच की स्थिति देखें

कई बार छोटी-सी लापरवाही जैसे पेट्रोल खत्म होना या बाइक का गियर न्यूट्रल में न होना, स्टार्टिंग की समस्या बन जाती है। ऐसे में आप बाइक स्टार्ट करते समय पेट्रोल लेवल जरूर देखें और गियर न्यूट्रल करें। क्लच लिवर को ठीक से दबाएं ताकि इंजन स्मूथ इग्निशन दे सके।

एयर फिल्टर की सफाई जरूरी

बाइक चलाते समय झटका महसूस हो रहा है या इंजन रुक-रुक कर चल रहा है, तो समझ लें कि एयर फिल्टर में धूल या नमी जमा हो गई है। ऐसे में एयर फिल्टर को सर्विस सेंटर पर साफ करवाएं या जरूरत हो तो नया लगवाएं। साफ फिल्टर से बाइक का परफॉर्मेंस और माइलेज दोनों बेहतर होता है।

मॉय फर्स्ट राइड

आत्मनिर्भर बनने की ललक

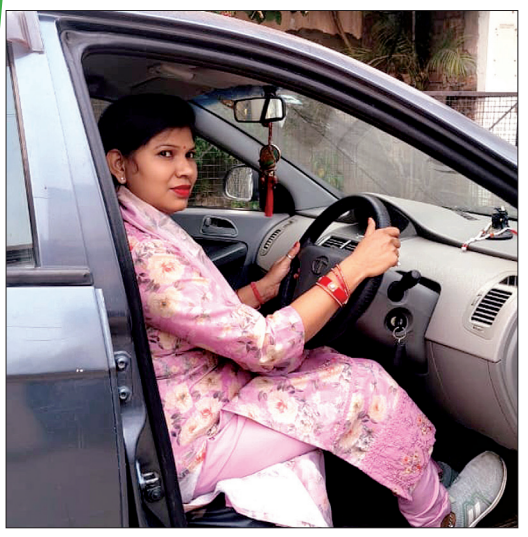

कुछ नया सीखने और हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ललक सदैव रही। पापा- मम्मी ने इसी बात की प्रेरणा भी देते थे कि किसी पर आश्रित रहने की जगह प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना है। इसी कड़ी में मैंने कार चलाने की ठानी।

जब पहली बार ड्राइविंग सीट पर बैठी तो मन में थोड़ी सी हिचक थी कि चला पाऊंगी भी या नहीं, लेकिन अपनों का साथ मिला था, तो धीरे-धीरे कार चलाना सीख लिया। पहली बार जब मैं अकेले ड्राइविंग सीट पर बैठी, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। यह ऐसा पल था, जब कोई मेरे बगल की सीट पर मुझे गाइड करने वाला नहीं था। अब समझ में आता है कि हर महिला को कार या बाइक चलाना आना चाहिए ताकि उसे बाहर जाने के लिए किसी का इंतजार न करना पड़े।

-स्नेहा सिंह, कानपुर